

वित्तीय वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक की समीक्षा गत वर्ष के बजट साहित्य में दी गई थी। वित्तीय वर्ष 2008–2009 के वास्तविक लेखे, वर्ष 2009–2010 के आय–व्ययक व पुनरीक्षित अनुमानों की समीक्षा व वर्ष 2010–2011 के आय–व्ययक की समीक्षा अगले पृष्ठों में दी गई है।

वित्तीय स्थिति की समीक्षा

इस भाग में निम्नलिखित अनुमानों/वास्तविक आँकड़ों की संक्षिप्त समीक्षा की गई है:-

- (1) वर्ष 2008–2009 के वास्तविक आँकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा उसी वर्ष (2008–2009) के आय–व्ययक अनुमानों से की गयी है,
- (2) वर्ष 2009–2010 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना उसी वर्ष (2009–2010) के आय–व्ययक अनुमानों से की गयी है, और
- (3) वर्ष 2010–2011 के आय–व्ययक अनुमानों की तुलना वर्ष 2009–2010 के पुनरीक्षित अनुमानों से की गयी है।

2008–2009 का लेखा

नीचे दिये हुए विवरण–पत्र में 2008–2009 के लेखे संक्षेप में दिये गये हैं:-

प्रभाग	मूल आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	वास्तविक आँकड़े 2008–2009		
		1	2	3
प्रारम्भिक शेष		106.19	**	74.27 *
1— समेकित निधि				
(1) प्राप्तियाँ—				
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	10456.56		8634.89	
(ख) पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ				
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	1395.58		2219.68	
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	260.24		53.56	
(iii) आकस्मिकता निधि का				
विनियोजन				
योग— (ख)— पूँजी लेखे की				
प्राप्तियाँ	1655.82		2273.24	
योग, प्राप्तियाँ	12112.38		10908.13	
(2) व्यय—				
(क) राजस्व लेखे का व्यय	8663.53		8395.37	
(ख) पूँजी लेखे का व्यय				
(i) पूँजीगत परिव्यय	2802.45		2016.36	
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	569.22		1031.24	
(iii) ऋणों और अग्रिम	407.12		121.71	
योग— (ख)— पूँजी लेखे का व्यय	3778.59		3169.31	
योग, व्यय	12442.12		11564.68	
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-329.74		-656.55	
2— आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	35.00		32.05	
3— लोक लेखा (शुद्ध)	250.00		127.00	
समस्त लेन–देनों का शुद्ध परिणाम	-44.74		-497.50	
अंतिम शेष	61.45		-423.23	

* महालेखाकार के लेखों के अनुसार।

** भारतीय रिजर्व बैंक के आँकड़ों के अनुसार

भारतीय रिजर्व बैंक से आर्थिक अग्रिम की रु 200.00 करोड़ की धनराशि आय–व्ययक अनुमान वर्ष 2008–09 तथा रु 802.49 करोड़ की धनराशि ऋणों से प्राप्तियों की मद में तथा रु 675.86 करोड़ की धनराशि ऋणों के प्रतिदान की मद में।

वित्तीय वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक में कुल रु0 12112.38 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित थी जिसमें राजस्व लेखे में रु0 10456.56 करोड़ तथा पूंजी लेखे में रु0 1655.82 करोड़ का अनुमान था।

समग्र प्राप्ति के हिसाब से यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2008–2009 में अनुमानित प्राप्ति से कुल रु0 1204.25 करोड़ की प्राप्ति कम हुई है। राज्य सरकार की प्राप्तियों के प्रमुख स्रोत भारत सरकार से प्राप्त सहायता/ऋण, राज्य सरकार के स्वयं के कर एवं करेत्तर राजस्व हैं। वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक अनुमानों के सापेक्ष भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय करों में राज्य का अंश, केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान/ऋणों के वास्तविक ऑकड़ों के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार है:—

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	वास्तविक ऑकड़े 2008–2009	(करोड़ रुपयों में)	
				न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1679.83	1506.52	-173.31	89.68
2—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4759.67	3384.03	-1375.64	71.10
3—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	29.31	18.12	-11.19	61.82
योग:—		6468.81	4908.67	-1560.14	75.88

उपरोक्त वास्तविक ऑकड़ों के आधार पर भारत सरकार से केन्द्रीय करों के हिस्सों के रूप में वर्ष 2008–2009 के मूल आय–व्ययक में अनुमानित कुल प्राप्ति रु0 1679.83 करोड़ के सापेक्ष रु0 1506.52 करोड़ की प्राप्ति हुई थी जो कि अनुमानित प्राप्ति से रु0 173.31 करोड़ कम है। केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान की मद में रु0 4759.67 करोड़ के सापेक्ष रु0 3384.03 करोड़ की प्राप्ति हुई थी जो अनुमानित प्राप्ति से रु0 1375.64 करोड़ कम है तथा केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम की मद में अनुमानित प्राप्ति रु0 29.31 करोड़ के सापेक्ष रु0 18.12 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो कि अनुमानित प्राप्ति से रु0 11.19 करोड़ कम है। कुल मिलाकर भारत सरकार से प्राप्त होने वाली प्राप्तियों में रु0 1560.14 करोड़ की कम प्राप्ति हुई। जो वर्ष 2008–09 की अनुमानित प्राप्ति से 24.12 प्रतिशत कम है।

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों में न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार थीं:-

(करोड़ रुपयों में)					
क्र0 सं0	मदे	आय—व्ययक अनुमान 2008—2009	वास्तविक ऑकड़े 2008—2009	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1—	होटल प्राप्ति कर	6.34	6.09	-0.25	96.06
2—	भू—राजस्व	31.43	17.90	-13.53	56.95
3—	स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	485.04	357.46	-127.58	73.70
4—	राज्य उत्पाद शुल्क	501.00	528.35	27.35	105.46
5—	बिक्री / व्यापार कर	1849.50	1910.64	61.14	103.31
6—	वाहन कर	175.54	166.98	-8.56	95.12
7—	विद्युतकर तथा शुल्क	64.60	51.61	-12.99	79.89
8—	वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	6.30	5.87	-0.43	93.21
योग:—		3119.75	3044.90	-74.85	97.60

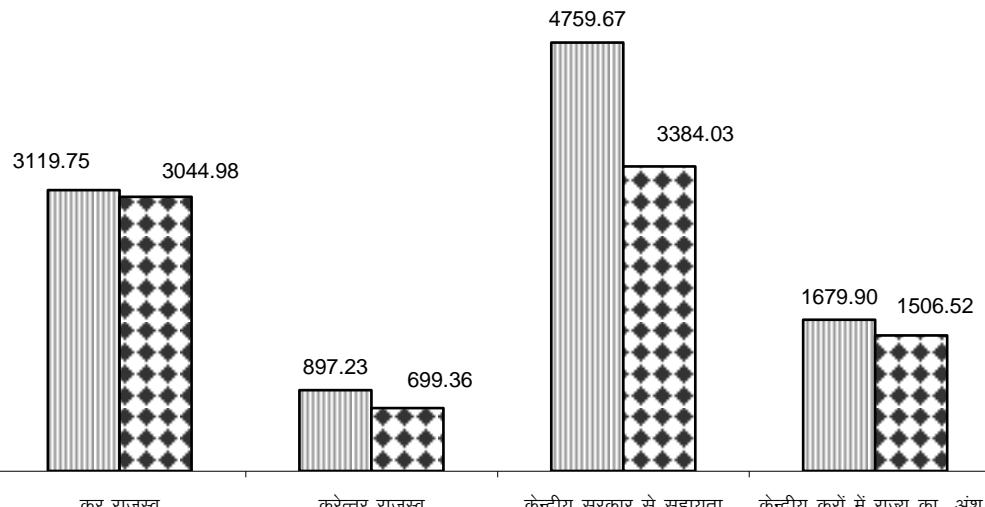
वर्ष 2008—2009 के अनुमानित स्वयं के कर राजस्व ₹0 3119.75 करोड़ के सापेक्ष वास्तविक ऑकड़ों के अनुसार ₹0 3044.90 करोड़ की प्राप्ति हुई जो कि अनुमानित प्राप्ति से मात्र ₹0 74.85 करोड़ अर्थात् 2.40 प्रतिशत कम है। कर राजस्व में बिक्री/व्यापार की मद में ₹0 61.14 करोड़ की वृद्धि हुई है, राज्य उत्पादन शुल्क में ₹0 27.35 करोड़ की वृद्धि हुई है जबकि स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क की मद में ₹0 127.58 की कमी हुई है। स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क की मद में कमी का मुख्य कारण स्टाम्प तथा पंजीकरण की दरों में कमी होना है। समग्र रूप से कर राजस्व की वास्तविक प्राप्ति कुल अनुमानित प्राप्ति के लक्ष्य का 97.60 प्रतिशत है। राज्य सरकार की समस्त प्राप्तियाँ, न्यूनाधिकतायें निम्नवत् परिलक्षित हो रही हैं:—

राजस्व लेखा

(करोड़ रुपयों में)

क्र0 सं0	मदे	आय—व्ययक अनुमान 2008—2009	वास्तविक आँकड़े 2008—2009	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	राजस्व लेखा				
1—	कर राजस्व	3119.75	3044.98	-74.77	97.60
2—	करेत्तर राजस्व	897.23	699.36	-197.87	77.95
3—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4759.67	3384.03	-1375.64	71.10
4—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1679.90	1506.52	-173.38	89.68
	योग—राजस्व लेखा	10456.55	8634.89	-1821.66	82.58

राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ



राजस्व लेखे की कुल अनुमानित प्राप्ति रु0 10456.55 करोड़ के सापेक्ष कुल वास्तविक प्राप्ति रु0 8634.89 करोड़ हुई है जो अनुमानित प्राप्ति से रु0 1821.66 करोड़ कम है। राजस्व प्राप्ति में जो कमी परिलक्षित हो रही है वह मुख्यतः केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान की मद में रु0 1375.64 करोड़ की कमी, जिसमें मुख्यतः पेन्शन, ऊर्जा, अलौह खनन में की मद कम प्राप्ति का होना है। करेत्तर

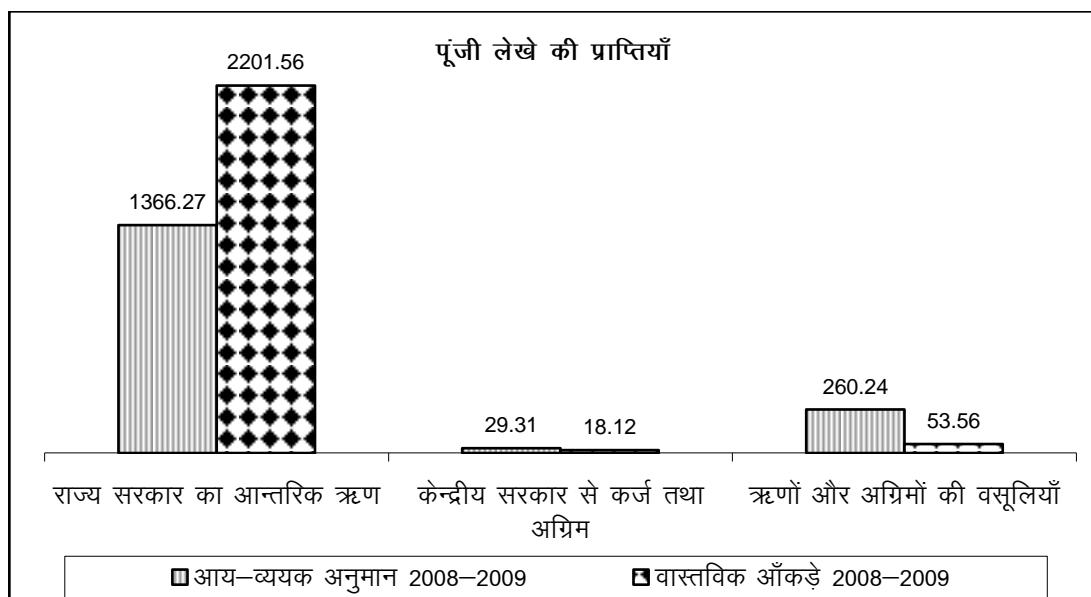
राजस्व में ₹0 197.87 करोड़ की कमी केन्द्रीय करों में राज्य के अंश की मद में ₹0 173.38 करोड़ की कमी।

पूंजी लेखे

पूंजी लेखे की 2008–09 के आय–व्ययक अनुमानों में ₹0 1655.82 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित थी जिसके सापेक्ष 2008–09 के वास्तविक आँकड़ों के अनुसार ₹0 2273.24 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो कि आय–व्ययक अनुमानों से ₹0 617.42 करोड़ अधिक है तथा आय–व्ययक अनुमानों का 137.29 प्रतिशत है। पूंजी लेखे की प्राप्तियों में वृद्धि का मुख्य कारण राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण की मद में ₹0 835.29 करोड़ अधिक प्राप्ति है जो भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्ति की मद में आय–व्ययक अनुमान ₹0 200 करोड़ के सापेक्ष ₹0 802.49 करोड़ की प्राप्ति का होना है तथा बाजार ऋण की मद में ₹0 700 करोड़ के सापेक्ष ₹0 1010.69 करोड़ प्राप्ति के कारण है।

(करोड़ रूपयों में)

क्र० सं०	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	वास्तविक आँकड़े 2008–2009	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	पूंजीलेखा				
1–	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	1366.27	2201.56	835.29	161.14
2–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	29.31	18.12	-11.19	61.82
3–	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	260.24	53.56	-206.68	20.58
	पूंजी लेखे की प्राप्तियाँ	1655.82	2273.24	617.42	137.29

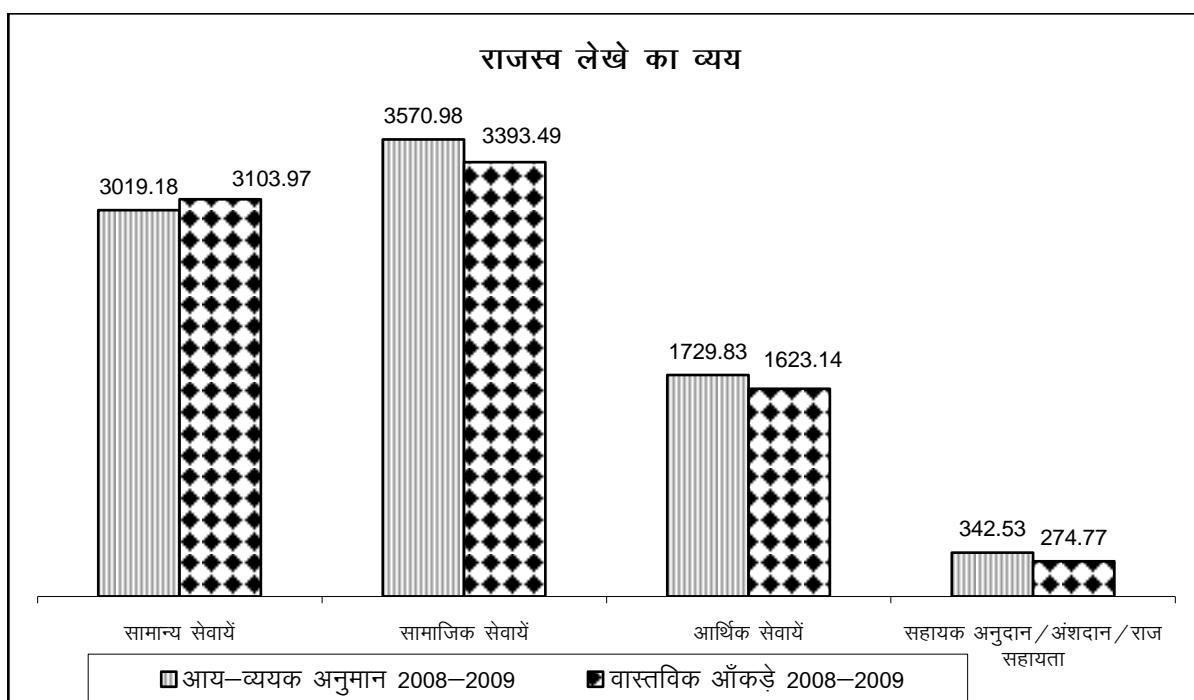


राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक में राजस्व व्यय हेतु ₹0 8663.53 करोड़ की व्यवस्था की गई थी जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत योजनाओं, केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं के आयोजनागत पक्ष में ₹0 2516.69 करोड़ ₹0 तथा आयोजनेतर पक्ष में ₹0 6146.84 करोड़ का व्यय अनुमानित था। किन्तु वर्ष 2008–09 के दौरान कुल ₹0 8395.37 करोड़ रूपये का व्यय हुआ जिसमें आयोजनागत पक्ष ₹0 2174.48 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष ₹0 6220.89 करोड़ रूपये का व्यय हुआ। इस प्रकार कुल वास्तविक राजस्व व्यय अनुमानित व्यय से ₹0 267.16 करोड़ कम रहा। संक्षिप्त में स्थिति निम्न प्रकार रही:—

(करोड़ रूपयों में)

क्र० सं०	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	वास्तविक आँकड़े 2008–2009	न्यूनाधिकताएं वृद्धि / कमी	
		आयोजनागत	आयोजनेतर	आयोजनागत	आयोजनेतर
1—	सामान्य सेवायें	5.90	3013.28	5.02	3098.95
2—	सामाजिक सेवायें	1653.87	1917.11	1441.90	1951.59
3—	आर्थिक सेवायें	855.92	873.91	727.50	895.64
4—	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता				
			342.53	0.06	274.71
	योग–राजस्व लेखा	2515.69	6146.84	2174.48	6220.89
				-341.21	74.05



पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2008–2009 के मूल आय–व्ययक के पूंजी लेखे का व्यय पक्ष में ₹0 3778.59 करोड़ की व्यवस्था की गई थी, जिसमें आयोजनागत पक्ष में ₹0 3157.03 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में ₹0 621.76 करोड़ की व्यवस्था थी, जिसके सापेक्ष वास्तविक व्यय ₹0 3169.31 करोड़ रहा जिसमें आयोजनागत पक्ष में ₹0 2017.93 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में ₹0 1151.36 करोड़ रूपये रहा। आयोजनेतर पक्ष में वृद्धि का मुख्य कारण राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण की मद के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त आर्थोपाय अग्रिम की मद में अधिक व्यय का होना है। इस प्रकार मूल अनुमानों की तुलना में व्यय ₹0 609.50 करोड़ रूपये कम रहा।

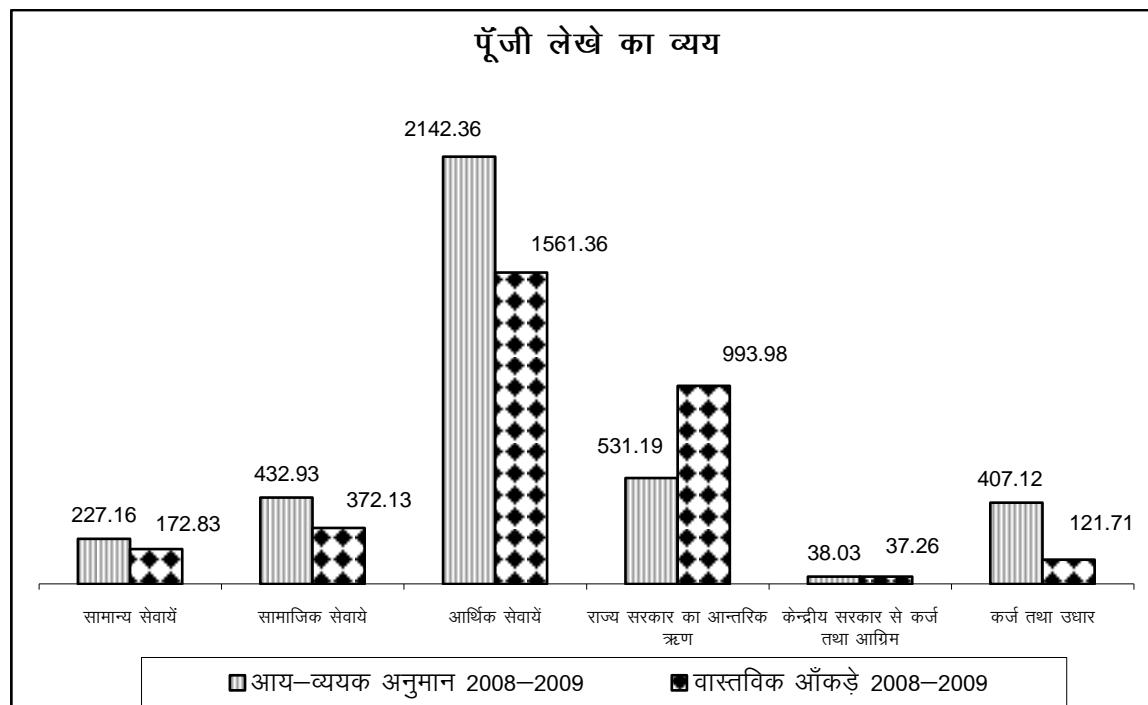
उपर्युक्त व्यय में जो न्यूनाधिकताएं परिलक्षित हो रही है उसे निम्न सारणी द्वारा दर्शाया गया है।

(करोड़ रूपयों में)

क्र० सं०	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009		वास्तविक आँकड़े 2008–2009		न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	
		आयोजनागत	आयोजनेतर	आयोजनागत	आयोजनेतर	आयोजनागत	आयोजनेतर
1—	सामान्य सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	187.67	39.49	128.85	45.61	-58.82	6.12
2—	सामाजिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	432.43	0.50	275.49	5.03	-156.94	4.53
3—	आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	2140.36	2.00	1498.15	63.21	-642.21	61.21
योग:— पूंजीगत परिव्यय		2760.46	41.99	1902.49	113.85	-857.97	71.86
4—	राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण		531.19		993.98	0.00	462.79
5—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा आग्रिम		38.03		37.26	0.00	-0.77
	योग:— लोक ऋण	0.00	569.22		1031.24	0.00	462.02
6—	कर्ज तथा उधार	396.57	10.55	115.44	6.27	-281.13	-4.28
	योग:— पूंजी लेखा	3157.03	621.76	2017.93	1151.36	-1139.10	529.60

वर्ष 2008–2009 का वास्तविक व्यय ₹0 11564.68 करोड़ था इसमें पूंजीगत व्यय ₹0 3169.31 करोड़ रहा जो कुल व्यय का 27.40 प्रतिशत था इसमें ₹0 675.86 करोड़ रिजर्व बैंक इण्डिया से लिए गये अर्थोपाय अग्रिम के प्रतिदान से सम्बंधित है। यदि पूंजीगत व्यय में से अर्थोपाय को प्रतिदान की धनराशि को निकाल दिया जाये तो पूंजीगत व्यय का प्रतिशत मात्र 21.56 आता है। पूंजीगत लेखे की

मुख्य मदों में सामान्य, सामाजिक, आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय के अतिरिक्त आंतरिक ऋणों का प्रतिदान, जिसमें बाजार ऋण भी सम्मिलित है, भारत सरकार से लिए गये ऋणों का प्रतिदान तथा अन्य कर्ज तथा उधार का प्रतिदान है जिसे निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया है।



सकल व्यय की सेक्टरवार स्थिति

(धनराशि करोड़ में)

मदे	आय-व्ययक अनुमान 2008-09	वास्तविक आंकड़े 2008-09	सेक्टरवार प्रतिशत 2008-09 आय-व्ययक अनुमान	सेक्टरवार प्रतिशत 2008-09 वास्तविक आंकड़े
सामान्य सेवायें	3246.34	3278.43	28.35	26.09
सामाजिक सेवायें	4003.91	3674.01	31.77	32.18
आर्थिक सेवायें	3872.19	3184.5	27.54	31.12
सहायक अनुदान	342.53	274.77	2.38	2.75
लोक ऋण	569.22	1031.24	8.92	4.58
कर्ज तथा उधार	407.12	121.71	1.05	3.27
योग व्यय	12441.31	11564.66	100.00	100.00

लोक लेखा

मुख्यतः लोक लेखा के अन्तर्गत लेन-देनों का सम्बन्ध राज्य सरकार द्वारा निर्मित ऋण शोधन निधियों के तथा विभिन्न निकायों के निवेशों और अन्य निवेशों आदि से है जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार ट्रस्टी एवं बैंकर के रूप में कार्य करती है। कुल रु0 250 करोड़ की मूलतः अनुमानित शुद्ध प्राप्ति की तुलना में वर्ष में हुए लेन देनों के फलस्वरूप रु0 127 करोड़ की शुद्ध प्राप्ति लेखे में प्रदर्शित है।

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

मूल आय-व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम रु0 -43.94 करोड़ ऋणात्मक अनुमानित था। परन्तु वास्तविक आंकड़े के आधार पर यह रु0 -497.50 करोड़ ऋणात्मक हो गया और तदनुसार वर्ष का रु0 -74.04 करोड़ का वास्तविक प्रारम्भिक शेष वर्ष के अन्त में रु0 -423.23 करोड़ ऋणात्मक हो गया है। वास्तविक आंकड़ों के अन्तर्गत प्रदर्शित सभी आंकड़े महालेखाकार के लेखों पर आधारित हैं।

पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010

निम्नलिखित विवरण—पत्र में वित्तीय वर्ष 2009–10 के आय—व्ययक व पुनरीक्षित अनुमान की स्थिति का सारांश दिया गया है—

मद	मूल आय—व्ययक अनुमान 2009–2010	(करोड़ रुपयों में)	
		पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	
1	2	3	
प्रारम्भिक शेष		-634.15	-423.23 *
1— समेकित निधि			
(1) प्राप्तियाँ—			
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	10947.67	10952.19	
(ख) पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ			
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	2554.35	2554.35	
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	407.14	407.14	
(iii) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग ख:— पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	2961.49	2961.49	
योग— (1)— प्राप्तियाँ	13909.16	13913.68	
(2) व्यय—			
(क) राजस्व लेखे का व्यय	11161.10	12065.76	
(ख) पूँजी लेखे का व्यय			
(i) पूँजीगत परिव्यय	1956.93	2866.53	
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	1311.58	1311.58	
(iii) ऋणों और अग्रिम	307.77	309.19	
(iv) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग— (ख)— पूँजी लेखे का व्यय	3576.28	4487.30	
योग,(2)—व्यय	14737.38	16553.06	
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-828.22	-2639.38	
2— आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	35.00	35.00	
3— लोक लेखा (शुद्ध)	800.00	800.00	
समस्त लेन—देनों का शुद्ध परिणाम	6.78	-1804.38	
अंतिम शेष	-627.37	-2227.61	
* भारतीय रिजर्व बैंक के ऑकड़ों के अनुसार।			

भारतीय रिजर्व बैंक से आथंपेय अग्रिम की ₹0 700 करोड़ की धनराशि आय—व्ययक अनुमान वर्ष 2008–09 तथा पुनरीक्षित अनुमान वर्ष 2008–09 में सम्मिलित है।

वर्ष 2009–2010 का लेखा

वित्तीय वर्ष 2009–2010 के आय—व्ययक में कुल ₹0 13909.16 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान लगाया गया था जिसमें राजस्व लेखे में ₹0 10947.67 करोड़ तथा पूँजी लेखे में ₹0 2961.49 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान था। पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार कुल प्राप्ति ₹0 13913.68 करोड़ अनुमानित

है जिसमें राजस्व पक्ष में ₹0 10952.19 करोड़ तथा पूंजी पक्ष में आय-व्ययक के अनुसार प्राप्ति अनुमानित है। राज्य सरकार की प्राप्तियों के प्रमुख स्रोत भारत सरकार से प्राप्त सहायता/ऋण, राज्य सरकार के स्वयं के कर एवं करेत्तर राजस्व है। वर्ष 2009–2010 के आय-व्ययक अनुमानों के सापेक्ष भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय कर/शुल्क में अंश, सहायता/ऋण की पुनरीक्षित अनुमानों के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार रहने की आशा हैः—

(करोड़ रुपयों में)

क्र0 सं0	मदे	आय-व्ययक अनुमान 2009–2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1545.87	1545.87	0.00	100.00
2—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4444.21	4448.73	4.52	100.10
3—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	96.22	96.22	0.00	100.00
	योगः—	6086.30	6090.82	4.52	100.07

वर्ष 2009–10 के पुनरीक्षित अनुमानों में भारत सरकार से प्राप्त होने वाली मदों में आय-व्ययक के अनुसार ही प्राप्ति सम्भावित है।

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों में अनुमानित न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार परिलक्षित हो रही हैं।

(करोड़ रुपयों में)

मदे	आय-व्ययक अनुमान 2009–2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1— होटल प्राप्ति कर	6.85	6.85	0.00	100.00
2— भू-राजस्व	7.68	7.68	0.00	100.00
3— स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	422.69	422.69	0.00	100.00
4— राज्य उत्पाद शुल्क	598.22	598.22	0.00	100.00
5— बिक्री / व्यापार कर	2220.80	2220.80	0.00	100.00
6— वाहन कर	193.09	193.09	0.00	100.00
7— विद्युतकर तथा शुल्क	72.00	72.00	0.00	100.00
8— वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	7.50	7.50	0.00	100.00
योगः—	3528.83	3528.83	0.00	100.00

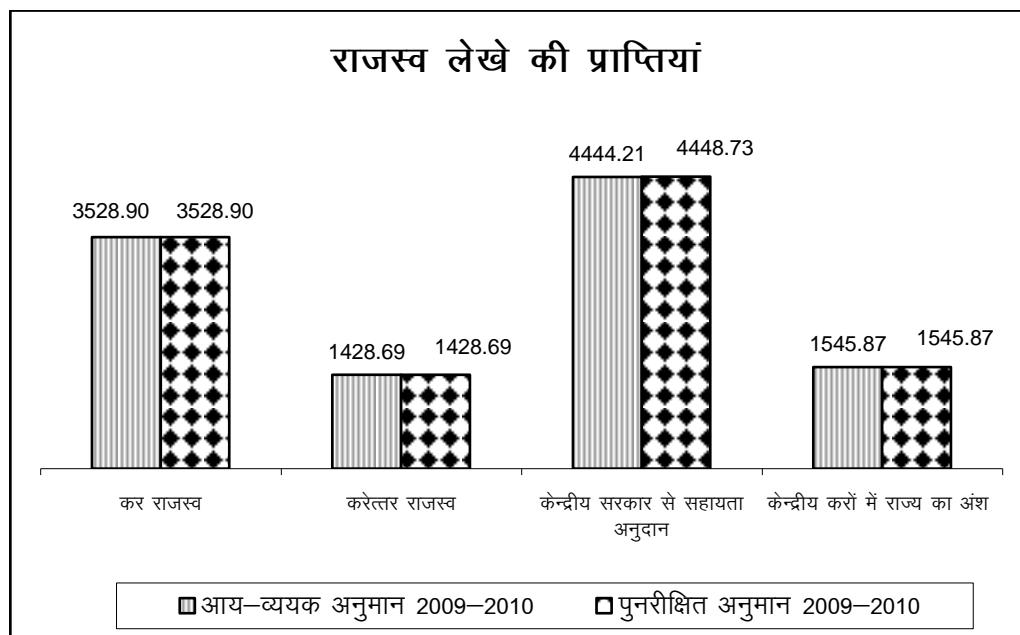
वर्ष 2009–10 के पुनरीक्षित अनुमानों में आय–व्ययक के अनुसार ही प्राप्ति सम्भावित है।

राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ

(करोड़ रुपयों में)

क्र0 सं0	मर्दे	आय–व्ययक अनुमान 2009–2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	<u>राजस्व लेखा</u>				
1—	कर राजस्व	3528.90	3528.90	0.00	100.00
2—	करेत्तर राजस्व	1428.69	1428.69	0.00	100.00
3—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4444.21	4448.73	4.52	100.10
4—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1545.87	1545.87	0.00	100.00
	राजस्व प्राप्तियाँ	10947.67	10952.19	4.52	100.04

वर्ष 2009–10 के राजस्व लेखे में रु0 10947.67 करोड़ के सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों में राजस्व लेखे में रु0 10952.19 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है जो कि आय–व्ययक अनुमानों का 100.04 प्रतिशत है।



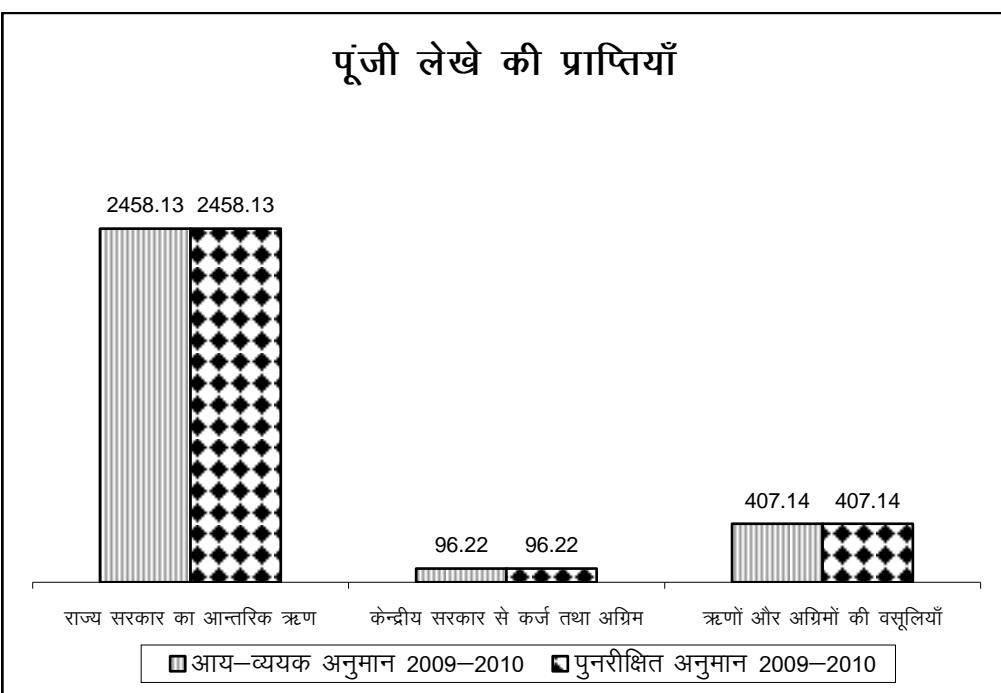
पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ

वर्ष 2009–10 के पूँजी लेखे के आय–व्ययक में ₹0 2961.49 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित थी जिसके सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों में आय–व्ययक के बराबर ही प्राप्ति अनुमानित है।

(करोड़ रुपयों में)

क्र0 सं0	मर्दे	आय–व्ययक अनुमान 2009–2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	<u>पूँजीलेखा</u>				
1—	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	2458.13	2458.13	0.00	100.00
2—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	96.22	96.22	0.00	100.00
3—	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	407.14	407.14	0.00	100.00
	पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	2961.49	2961.49	0.00	100.00

पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ

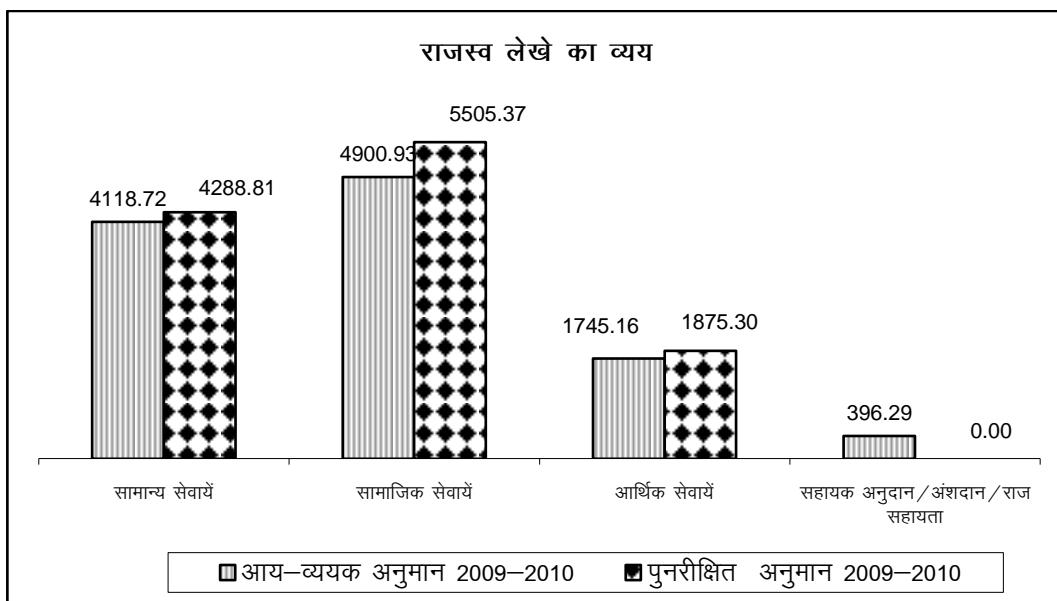


राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2009–10 के आय–व्ययक में राजस्व व्यय हेतु ₹0 11161.10 करोड़ का प्राविधान किया गया था जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं के

लिए आयोजनागत पक्ष में ₹0 2287.53 करोड़ तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 8873.57 करोड़ का व्यय अनुमानित था। प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से कुल ₹0 1815.67 करोड़ की व्यवस्था की गई थी जिसमें राजस्व पक्ष में ₹0 904.65 करोड़ तथा पूंजीगत पक्ष में ₹0 911.02 करोड़ का प्राविधान है। राजस्व पक्ष की मद में पुनरीक्षित अनुमानों में कुल ₹0 12065.76 करोड़ का व्यय का अनुमान लगाया गया है जिसमें आयोजनागत पक्ष में ₹0 2760.62 करोड़ तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 9305.14 करोड़ का व्यय अनुमानित है। इस प्रकार वर्ष 2009–10 के पुनरीक्षित अनुमानों में आय–व्ययक के अनुमानों के सापेक्ष ₹0 904.67 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है। यह वृद्धि मुख्यतः वेतन भत्ते, खाद्य विभाग के मद के अन्तर्गत अन्नपूर्ति योजना, कुम्भ मेला, शहरी विकास, पुष्टाहार आदि में सम्मिलित है। इस स्थिति को निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

(करोड रुपयों में)							
क्र० सं०	मद्दे	आय–व्ययक अनुमान 2009–2010		पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010		न्यूनाधिकतारं वृद्धि + / कमी -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1—	सामान्य सेवायें	3.98	4114.74	16.44	4272.37	12.46	157.63
2—	सामाजिक सेवायें	1568.84	3332.09	1979.08	3526.29	410.24	194.20
3—	आर्थिक सेवायें	714.71	1030.45	765.10	1110.20	50.39	79.75
4—	सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता						
			396.29		396.29	0.00	0.00
	योग–राजस्व लेखा	2287.53	8873.57	2760.62	9305.15	473.09	431.58

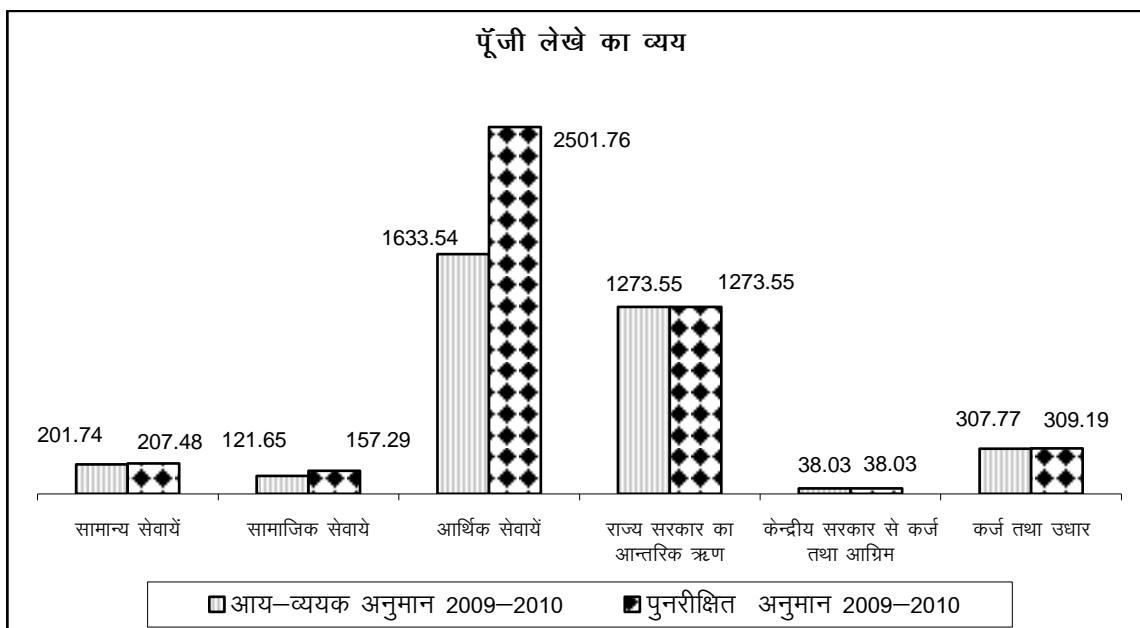


पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2009–10 के आय–व्ययक में पूंजीगत पक्ष में ₹0 3576.28 करोड़ का प्राविधान किया गया था जिसमें आयोजनागत पक्ष में ₹0 2235.16 करोड़ तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 1341.12 करोड़ की व्यवस्था की गई थी। पुनरीक्षित अनुमानों में पूंजी लेखे में ₹0 4487.30 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें ₹0 2568.44 करोड़ आयोजनागत पक्ष में तथा ₹0 1918.86 करोड़ आयोजनेत्तर पक्ष में है। आय–व्ययक के सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों में आयोजनागत पक्ष में ₹0 333.28 करोड़ तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 577.74 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है। इस प्रकार कुल ₹0 911.02 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है। पूंजीगत पक्ष में वृद्धि का मुख्य कारण ऊर्जा विभाग की मद में उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन को अंशपूंजी ₹0 572 करोड़ तथा सिंचाई एवं बाढ़ विभाग की मद में हुयी वृद्धि के कारण है।

(करोड़ रुपयों में)

क्र० सं०	मद्दे	आय–व्ययक अनुमान 2009–2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1—	सामान्य सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	173.90	27.84	173.90	33.58
2—	सामाजिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	121.65	0.00	157.29	35.64
3—	आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	1633.54	0.00	1929.76	572.00
	योग:- पूंजीगत परिव्यय	1929.09	27.84	2260.95	605.58
					331.86
					577.74
4—	राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण	0.00	1273.55	1273.55	0.00
5—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा आग्रिम		38.03	38.03	0.00
	योग:- लोक ऋण	0.00	1311.58	1311.58	0.00
6—	कर्ज तथा उधार	306.07	1.70	307.49	1.70
	योग:- पूंजी लेखा	2235.16	1341.12	2568.44	1918.86
					333.28
					577.74



सकल व्यय की सेक्टरवार स्थिति

(धनराशि करोड़ में)

मदें	आय-व्ययक अनुमान 2009–10	पुनरीक्षित अनुमान 2009–10	सेक्टरवार प्रतिशत 2009–10 आय-व्ययक अनुमान	सेक्टरवार प्रतिशत 2009–10 पुनरीक्षित अनुमान
सामान्य सेवायें	4320.46	4496.29	29.32	27.16
सामाजिक सेवायें	5022.58	5662.66	34.08	34.21
आर्थिक सेवायें	3378.70	4377.06	22.93	26.44
सहायक अनुदान	396.29	396.29	2.69	2.39
लोक ऋण	1311.57	1311.58	8.90	7.92
कर्ज तथा उधार	307.77	309.19	2.09	1.87
योग व्यय	14737.37	16553.07	100.00	100.00

लोक लेखा

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

मूल आय-व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम ₹0 6.78 करोड़ अनुमानित था। पुनरीक्षित अनुमानों के आधार पर यह ₹0 –1804.38 करोड़ ऋणात्मक अनुमानित है तथा अन्तिम शेष ₹0 –2227.61 करोड़ ऋणात्मक अनुमानित है।

आय—व्ययक 2010—2011

निम्नलिखित विवरण—पत्र में आय—व्ययक अनुमान 2010—2011 की स्थिति का सारांश दिया गया है:—

(करोड़ रुपयों में)

मद	आय—व्ययक अनुमान 2009—2010	पुनरीक्षित अनुमान 2009—2010	आय—व्ययक अनुमान 2010—2011
1	2	3	4
प्रारम्भिक शेष	-634.15	-423.23	* 0.00 &
1— समेकित निधि			
(1) प्राप्तियाँ—			
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	10947.67	10952.19	12158.79
(ख) पूँजी लखे की प्राप्तियाँ			
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	2554.35	2554.35	2416.50
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	407.14	407.14	246.38
(iii) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग ख:— पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	2961.49	2961.49	2662.88
योग— (1)— प्राप्तियाँ			
	13909.16	13913.68	14821.67
(2) व्यय—			
(क) राजस्व लेखे का व्यय	11161.10	12065.76	11996.69
(ख) पूँजी लखे का व्यय			
(i) पूँजीगत परिव्यय	1956.93	2866.53	2005.09
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	1311.58	1311.58	1299.63
(iii) ऋण और अग्रिम	307.77	309.19	150.54
(iv) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग— (ख)— पूँजी लेखे का व्यय	3576.28	4487.30	3455.26
योग,(2)—व्यय	14737.38	16553.06	15451.95
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-828.22	-2639.38	-630.28
2— आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	35.00	35.00	35.00
3— लोक लेखा (शुद्ध)	800.00	800.00	600.00
समस्त लेन—देनों का शुद्ध परिणाम	6.78	-1804.38	4.72
अंतिम शेष	-627.37	-2227.61	4.72

* महालेखाकार से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार।

भारतीय रिजर्व बैंक से आधेपाय अग्रिम की ₹ 200 करोड़ की धनराशि समिलित है।

& वर्ष 2009—10 के पुनरीक्षित अनुमानों में व्यय की मद में बजट अनुमान तथा अनुपूरक अनुमान की धनराशि का योग प्रदर्शित किया गया है जिसके कारण पुनरीक्षित अनुमानों में अंतिम शेष ₹ 0 2227.61 करोड़ ऋणात्मक आ रहा है। विभागों से समर्पण की धनराशि 31 मार्च 2010 तक प्राप्त होगी तथा आय में वृद्धि और व्यय में बचत कर अन्तिम शेष को शून्य पर लाने का प्रयास किया जायेगा।

वित्तीय वर्ष 2010–2011 के आय–व्ययक में कुल रु0 14821.67 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान लगाया गया है जिसमें राजस्व लेखे में रु0 12158.79 करोड़ तथा पूंजी लेखे में रु0 2662.88 करोड़ की प्राप्ति सम्भावित है। यह प्राप्ति वर्ष 2009–2010 के पुनरीक्षित अनुमान से रु0 907.99 करोड़ अधिक है। राजस्व पक्ष में पुनरीक्षित अनुमानों के सापेक्ष रु0 1206.60 करोड़ की अधिक प्राप्ति अनुमानित है जबकि पूंजीलेखा की मद में रु0 298.61 करोड़ की कमी अनुमानित है।

वर्ष 2009–2010 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय करों में राज्य का अंश केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान और कर्ज तथा अग्रिम की धनराशि में न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैं।

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	आय–व्ययक अनुमान 2010–2011	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1545.87	2344.60	798.73	151.67
2—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4448.73	4674.89	226.16	105.08
3—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	96.22	50.00	-46.22	51.96
	योग:—	6090.82	7069.49	978.67	116.07

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि केन्द्रीय करों में राज्य के अंश की मद में वर्ष 2009–10 पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 1545.87 करोड़ के सापेक्ष वर्ष 2010–11 के आय–व्ययक अनुमानों में रु0 2344.60 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से रु0 798.73 करोड़ अर्थात् 51.67 प्रतिशत अधिक है। केन्द्रीय करों में राज्य के अंश में वृद्धि का मुख्य कारण 13वें वित्त आयोग द्वारा राज्य के अंश को पूर्व में 30.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत किया जाना तथा उत्तराखण्ड राज्य का अंश को 0.939 से बढ़ाकर 1.12 प्रतिशत किया जाना है। केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान की मद में रु0 226.16 करोड़ की वृद्धि है यह वृद्धि मुख्यतः केन्द्र सहायतित योजनाओं की मद में वृद्धि के कारण है।

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों की न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार अनुमानित हैं।

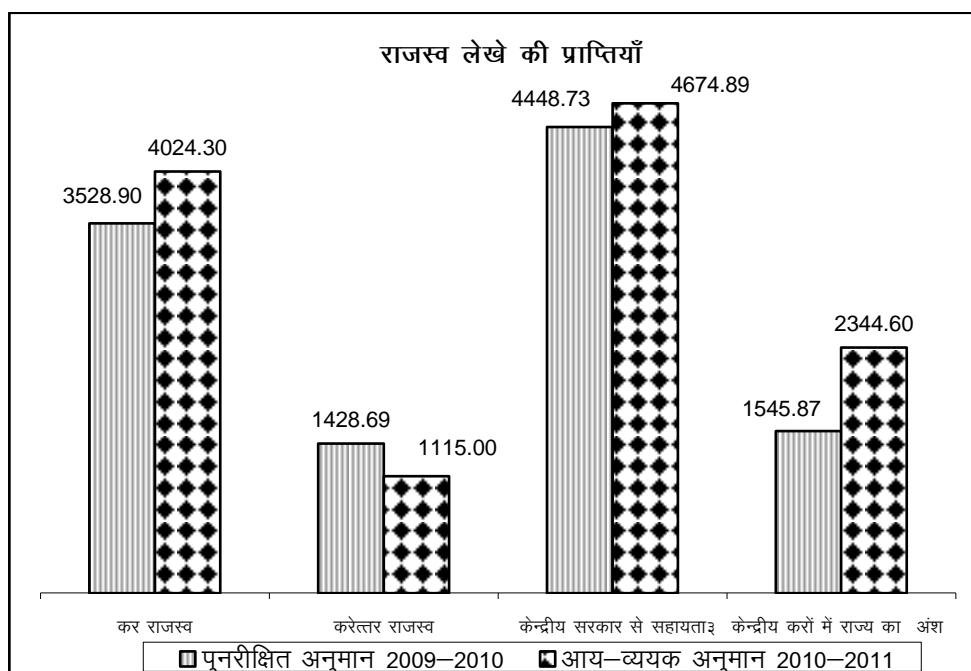
क्र0 सं0	मदे	पुनरीक्षित अनुमान 2009—2010	आय—व्ययक अनुमान 2010—2011	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
1—	होटल प्राप्ति कर	6.85	8.00	1.15	116.79
2—	भू—राजस्व	7.68	11.73	4.05	152.73
3—	स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	422.69	425.65	2.96	100.70
4—	राज्य उत्पाद शुल्क	598.22	686.93	88.71	114.83
5—	बिक्री / व्यापार कर	2220.80	2586.00	365.20	116.44
6—	वाहन कर	193.09	225.30	32.21	116.68
7—	विद्युतकर तथा शुल्क	72.00	72.00	0.00	100.00
8—	वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	7.50	8.68	1.18	115.73
योग:—		3528.83	4024.29	495.46	114.04

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि राज्य के स्वयं के कर राजस्व में 2009—2010 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में 2010—2011 के आय—व्ययक अनुमानों में ₹0 495.46 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से लगभग 14 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि मुख्यतः भू—राजस्व, होटल प्राप्ति कर, बिक्री / व्यापार कर, वाहन कर, राज्य उत्पादन शुल्क इत्यादि की मद में वृद्धि के कारण है। राज्य सरकार के समग्र राजस्व प्राप्तियों की न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैं:—

(करोड़ रुपयों में)

क्र0 सं0	मदे	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010	आय—व्ययक अनुमान 2010–2011	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	राजस्व लेखा				
1—	कर राजस्व	3528.90	4024.30	495.40	114.04
2—	करेत्तर राजस्व	1428.69	1115.00	-313.69	78.04
3—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4448.73	4674.89	226.16	105.08
4—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1545.87	2344.60	798.73	151.67
	राजस्व प्राप्तियाँ	10952.19	12158.79	1206.60	111.02

राजस्व लेखे में वर्ष 2009–10 के पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 10952.19 करोड़ की प्राप्तियाँ अनुमानित है जिसके सापेक्ष वर्ष 2010–11 के आय—व्ययक में रु0 12158.79 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से रु0 1206.60 करोड़ है अर्थात् 11.02 प्रतिशत अधिक है। राजस्व लेखे के अन्तर्गत करेत्तर राजस्व में रु0 313.69 करोड़ की कमी अनुमानित है जो कि मुख्यतः पेंशन की मद में कम प्राप्ति के कारण है।



पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ:—राज्य सरकार की पूँजी लेखे की न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैं:—

(करोड़ रुपयों में)

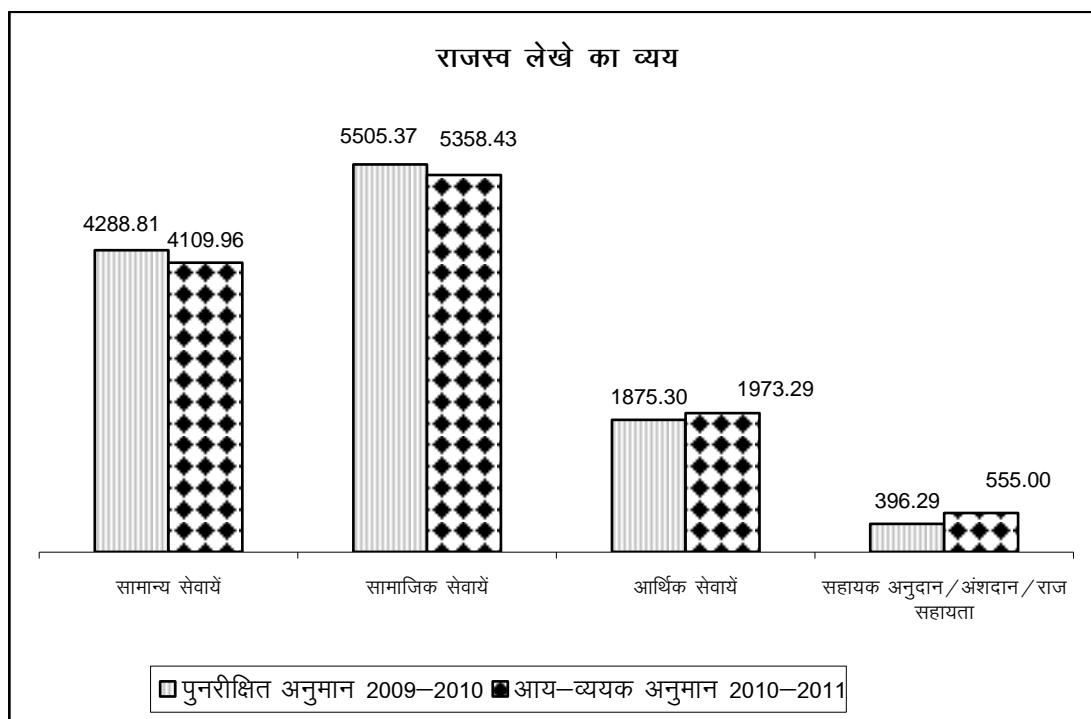
क्र0 सं0	मद्दे	पुनरीक्षित अनुमान 2009—2010	आय—व्ययक अनुमान 2010—2011	न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	प्रतिशत
	पूँजीलेखा				
1—	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	2458.13	2366.50	-91.63	96.27
2—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	96.22	50.00	-46.22	51.96
3—	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	407.14	246.38	-160.76	60.51
	पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	2961.49	2662.88	-298.61	89.92

पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ में वर्ष 2009—10 के पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 2961.49 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है तथा 2010—11 के आय—व्ययक में रु0 2662.88 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित हैं जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से 298.61 करोड़ कम है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों का 89.92 प्रतिशत है।

राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2009—2010 के पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार राजस्व व्यय रु0 12065.76 करोड़ अनुमानित है जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत योजनाओं, केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं हेतु आयोजनागत पक्ष में रु0 2760.62 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रु0 9305.15 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वर्ष 2010—2011 में राजस्व लेखे का व्यय रु0 11996.69 करोड़ अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रु0 2974.06 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रु0 9022.62 करोड़ अनुमानित है। इस प्रकार वर्ष 2009—2010 के पुनरीक्षित अनुमानों के सापेक्ष वर्ष 2010—2011 में लगभग रु0 69.07 करोड़ का कम व्यय अनुमानित है। वर्ष 2009—10 के पुनरीक्षित अनुमानों के सापेक्ष वर्ष 2010—2011 के आय—व्ययक के आयोजनागत पक्ष में रु0 213.44 करोड़ का अधिक व्यय सम्भावित है जबकि आयोजनेतर पक्ष में रु0 282.53 करोड़ का कम व्यय सम्भावित है।

क्र० सं०	मदे	पुनरीक्षित अनुमान 2009—2010		आय—व्ययक अनुमान 2010—2011		(करोड़ रुपये में) न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1—	सामान्य सेवायें	16.44	4272.37	21.28	4088.68	4.84	-183.69
2—	सामाजिक सेवायें	1979.08	3526.29	2165.05	3193.38	185.97	-332.91
3—	आर्थिक सेवायें	765.10	1110.20	787.73	1185.56	22.63	75.36
4—	सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता			396.29		555.00	0.00
	योग—राजस्व लेखा	2760.62	9305.15	2974.06	9022.62	213.44	-282.53



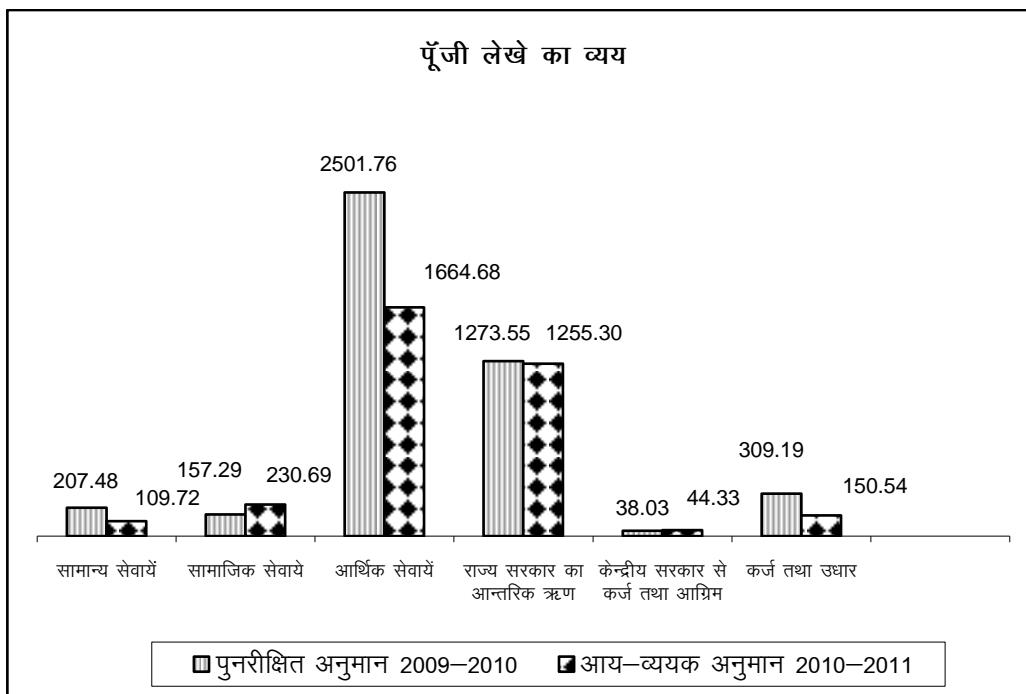
पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2009—2010 के पुनरीक्षित अनुमानों में पूंजी लेखे के व्यय में रु0 4487.30 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रु0 2568.44 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष रु0 1918.86 करोड़ का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2010—11 में कुल रु0 3455.26 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रु0 2143.31 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रु0 1311.95 करोड़ अनुमानित है। आयोजनागत पक्ष में रु0 -425.13 करोड़ की कमी तथा आयोजनेतर पक्ष में रु0 -606.91 करोड़ की

कमी सम्भावित है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2010–11 में कुल ₹0 1032.04 करोड़ का कम व्यय अनुमानित है। इस स्थिति को निम्नांकित तालिका द्वारा दर्शाया गया है:—

(करोड़ रुपये में)

क्र० सं०	मदे	पुनरीक्षित अनुमान 2009–2010		आय–व्ययक अनुमान 2010–2011		न्यूनाधिकताएं वृद्धि + / कमी -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1—	सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	173.90	33.58	99.10	10.62	-74.80	-22.96
2—	सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	157.29		230.69		73.40	0.00
3—	आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	1929.76	572.00	1664.68		-265.08	-572.00
	योग:— पूँजीगत परिव्यय	2260.95	605.58	1994.47	10.62	-266.48	-594.96
4—	राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण		1273.55		1255.30	0.00	-18.25
5—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम		38.03		44.33	0.00	6.30
	योग:— लोक ऋण	0.00	1311.58	0.00	1299.63	0.00	-11.95
6—	कर्ज तथा उधार	307.49	1.70	148.84	1.70	-158.65	0.00
	योग:— पूँजी लेखा	2568.44	1918.86	2143.31	1311.95	-425.13	-606.91



वर्ष 2010–2011 के कुल व्यय का आय–व्ययक अनुमान ₹0 15451.95 करोड़ का है, जिसमें पूंजीगत व्यय ₹0 3455.26 करोड़ अनुमानित है। जो कुल व्यय का 22.36 प्रतिशत है जिसमें से ₹0 700 करोड़ भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गये अर्थोपाय के प्रतिदान से सम्बंधित है। यदि पूंजीगत व्यय में से अर्थोपाय के प्रतिदान की धनराशि को निकाल दिया जाये तो पूंजीगत व्यय का प्रतिशत मात्र 17.83 प्रतिशत आता है। पूंजीगत लेखे की मुख्य मदों में सामान्य, सामाजिक, आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय के अतिरिक्त आंतरिक ऋणों का प्रतिदान है जिसमें निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया है:—

व्यय की सेक्टरवार स्थिति

मदे	पुनरीक्षित अनुमान 2009–10	आय–व्ययक अनुमान 2010–11	सेक्टरवार प्रतिशत 2009–10 पुनरीक्षित अनुमान	सेक्टरवार प्रतिशत 2010–11 आय–व्ययक अनुमान
सामान्य सेवायें	4496.29	4219.68	27.16	27.31
सामाजिक सेवायें	5662.66	5589.12	34.21	36.17
आर्थिक सेवायें	4377.06	3637.97	26.44	23.54
सहायक अनुदान	396.29	555.00	2.39	3.59
लोक ऋण	1311.58	1299.63	7.92	8.41
कर्ज तथा उधार	309.19	150.54	1.87	0.97
योग व्यय	16553.07	15451.94	100.00	100.00

लोक लेखा

मुख्यतः लोक लेखा के अन्तर्गत लेन–देनों का सम्बन्ध राज्य सरकार द्वारा निर्मित ऋण शोधन निधियों तथा विभिन्न निकायों के निवेशों और अन्य निवेशों आदि के जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार ट्रस्टी एवं बैंकर के रूप में कार्य करती है। वित्तीय वर्ष 2010–2011 में लोक लेखे में कुल ₹0 600 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है।

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

आय–व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम ₹0 4.72 करोड़ अनुमानित है।